

PUBLICATION NAME :	Mayur Samvad
EDITION :	Delhi
DATE :	30/3/2022
PAGE :	6

नई दिल्ली, बुधवार, 30 मार्च 2022

मयूर संवाद

एमएसएमई विकास को गति देते हैं; उन्हें मजबूत करना आवश्यक-नारायण राणे

संवाददाता (दिल्ली) केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, राज्य मंत्री (एमओएस), एमएसएमई की उपस्थिति में, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित एमएसएमई प्रतिस्पर्धा और विकास पर दो दिवसीय मेगा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत, सिंगापुर, पेरू के वक्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा एमएसएमई क्षेत्र में संवर्द्धन, चुनौतियों और विकास के अवसरों पर विचार-मंथन सत्र और पैनल चर्चा होगी। लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन और ईरान, शिखर सम्मेलन में अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग के नेताओं, विचार नेताओं, व्यापार मंडलों, उद्योग संघों द्वारा भी भाग लिया जाएगा। इसमें स्टार्टअप, सामाजिक प्रभाव संगठन, एमएसएमई और दुनिया भर के स्वयं सहायता समूह भी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में बोलते हुए, श्री राणे ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लंबे समय से एमएसएमई न्यूनतम संसाधनों के बीच काम कर रहे हैं और फिर भी देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान

दे रहे हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि इसे और मजबूत किया जाए। इस दिशा में, निश्चित रूप से इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण सामूहिक प्रयास किए गए हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं को एमएसएमई के लिए नए रास्ते खोलने की दिशा में निर्देशित किया गया है। उन्होंने आगे कहा, सरकार ने सुनिश्चित किया है कि एमएसएमई क्षेत्र को वित्तीय संस्थानों, विकास और आधुनिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी सहायता, निर्यात बाजारों तक पहुंच, बुनियादी ढांचे की सुविधा, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सुविधा और कार्यबल के कल्याण से एक निर्बाध ऋण प्रवाह प्राप्त हो। श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, उद्यमिता, स्टार्ट-अप, नवाचारों और एमएसएमई पर अपने ध्यान के साथ भारत दिलचस्प आर्थिक निर्णयों और रणनीतियों के कारण आगे बढ़ रहा है। स्पष्ट आर्थिक विकास एमएसएमई विकास और पुनरुद्धार का प्रमाण है, विशेष रूप से महामारी की सबसे गंभीर लहर के बाद। यह मानने और घोषणा करना सही होगा कि एमएसएमई क्षेत्र में विकास स्पष्ट है, और पूरे देश में कई तरह से खुद को प्रकट कर रहा है। इसके पीछे प्राथमिक कारण, जैसा कि मैं देख रहा हूँ, सार्वजनिक नीति में प्रगतिशील परिवर्तन है। इस अवसर पर बोलते हुए भारतीय उद्यमिता विकास

संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ल ने कहा, ईडीआईआई क्लस्टर विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नीति के तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर एमएसएमई मंत्रालय के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

हम सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीतियों के साथ एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक मापनीयता और विस्तारशीलता प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञ कोविड-19 महामारी के बीच MSME क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। वे स्वस्थ विकास में गति, MSME प्रतिस्पर्धा में अनुकूल नीतियों और गैर-वित्तीय व्यवसाय विकास सेवाओं की भूमिका, और MSME कैसे काम कर सकते हैं, इस पर चर्चा करेंगे। एमएसएमई क्षेत्र के विकास के आलोक में पीपल, प्लैनेट एंड प्रॉफिट पर एक विशेष पैनल चर्चा का आयोजन किया गया है। एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता, भारतीय एमएसएमई के अंतर्राष्ट्रीयकरण, प्रौद्योगिकी और नवाचार, एमएसएमई के डिजिटल परिवर्तन, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र और एमएसएमई क्षेत्र में उभरते अवसरों और लिंग और वंचित समुदायों की उद्यमिता विषयों पर भी चर्चा करेंगे।